

हरिभूमि सिरसा-फतेहाबाद भूमि

रोहतक, सोमवार 21 सितंबर 2026

खबर संक्षेप

शराब सहित एक युवक को किया गिरफ्तार

फतेहाबाद। रतिया पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दोहाना रोड, भूना मोड़ के नजदीक एक अंडे की दुकान से 36 बोतल ठेका शराब देशी मार्का मस्ती माल्टा बरामद कर आरोपी को काबू किया। आरोपी की पहचान आनन्द कुमार पुत्र अखेराम निवासी इंदिरा कॉलोनी, दोहाना के रूप में हुई है। वह अब रतिया में दोहाना रोड पर गौशाला के पास किराये के मकान में रहता है। थाना शहर रतिया प्रभारी निरीक्षक बिजेंद्र ने बताया कि पुलिस टीम नया बस अड्डा रतिया के पास मौजूद थी। इसी दौरान कार्रवाई की गई।

डोडा पोस्ट तस्करी में मुख्य सप्लायर काबू

फतेहाबाद। डोडा पोस्ट के मामले में थाना जाखल पुलिस ने मुख्य सप्लायर छिंदा राम निवासी बाजीगर बस्ती, जाखल को काबू किया है। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। थाना जाखल प्रभारी निरीक्षक बलराज ने बताया कि पुलिस टीम ने बाजीगर बस्ती जाखल क्षेत्र से काला राम पुत्र रांजा राम पुत्र कश्मीर सिंह को काबू कर उसके कब्जे से 10 किलो 254 ग्राम डोडा पोस्ट बरामद किया था।

दूषित पेयजल को लेकर मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

सिरसा। शहर के वार्ड नंबर 20 और 21 में पिछले कई दिनों से कई घरों में सीवरेज मिश्रित एवं दूषित पेयजल पहुंचने की शिकायतों को लेकर वाडवासी अमित सोनी ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, उपायुक्त शान्तनु शर्मा सहित जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग के उच्चाधिकारियों को पत्र लिखकर मामले का तत्काल संचालन लेने की मांग की है। अमित सोनी ने बताया कि शिव चौक, सूरतगढ़िया बाजार, नोहरिया बाजार एवं नोहरिया गेट सहित आसपास के क्षेत्रों से लगातार शिकायतें मिल रही हैं कि कई घरों में पेयजल के साथ सीवरेज मिश्रित पानी पहुंच रहा है।

हेरोइन तस्करी में सप्लायर को दबोचा

फतेहाबाद। फतेहाबाद पुलिस ने हेरोइन की बिक्री और सेवन से जुड़े मामले में कार्रवाई को आगे बढ़ाते हुए मुख्य सप्लायर को गिरफ्तार किया है। पुलिस द्वारा पकड़े गए आरोपी की पहचान आकाश पुत्र बबबीर सिंह निवासी टिब्बा कॉलोनी, रतिया के रूप में हुई है। इस मामले में पुलिस पहले ही छह आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। थाना शहर फतेहाबाद के प्रभारी उपनिरीक्षक संजय कुमार ने बताया कि गत 13 अगस्त को पुलिस टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर शहर के गुरुनानकपुरा मोहल्ला स्थित एक मकान पर छापेमारी की थी। इस दौरान मौके पर छह आरोपी रंगे हाथ हेरोइन का सेवन करते पाए गए थे। दबिश के दौरान मुख्य आरोपी संजीव कुमार उर्फ संजू के कब्जे से 6.25 ग्राम हेरोइन बरामद की।

सोने की बालियां व 15 हजार चोरी करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज़ ►सिरसा

पुलिस ने शाह सतनामपुरा में हुई चोरी की वारदात को सुलझाते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर चोरी की गई सोने की बालियां और 15 हजार रुपए की नकदी बरामद कर ली है। पुलिस अब आरोपियों से पूछताछ कर रही है। पुलिस के अनुसार, सुखचैन बस्ती गली नंबर-10, शाह सतनामपुरा सिरसा निवासी हरमंदिर सिंह ने थाना सदर सिरसा में शिकायत दर्ज करवाई थी जिसमें बताया गया था कि परिवार के साथ करीब 15 दिन

गणपति बप्पा को लगेगा शुगर फ्री और लो-कैलोरी के मोदक का भोग

हरिभूमि न्यूज़ ►फतेहाबाद

जिले में अनंत चतुर्दशी 25 सितंबर को गणपति बप्पा की धूमधाम से विसर्जन होगा। फतेहाबाद जिला खासकर दोहाना में गणपति बप्पा की इन दिनों खासी धूम मची हुई है। जिलाभर में करीब 58 जगह विघ्नहर्ता भगवान गणेश की प्रतिमाएं 15 सितंबर को गणेश चतुर्थी पर स्थापित की गई थीं। दोहाना में भाखड़ा नहर तो फतेहाबाद में बड़ोपल नहर में शुक्रवार को विसर्जन किया जाएगा। उससे पहले बाजारों में स्वीट्स की दुकानें मोदक से सज गई हैं। दरअसल, भगवान गणेश को मोदक अत्यंत प्रिय है, इसलिए बाजार में इस बार नए-नए फ्लेवर व नए-नए टेस्ट के मोदक की मांग बढ़ गई है। भगवान गणेश के प्रिय प्रसाद के रूप में पारंपरिक मोदक तो पसंद किए ही जा रहे हैं, लेकिन इस बार काजू, मल्टीग्रेन, नारियल, रागी, मखाना, गुलाब जैसे फ्यूजन फ्लेवर लोगों को खास आकर्षित कर रहे हैं।

बप्पा के भोग में इस बार ट्रेडिशनल नहीं, फ्यूजन मोदक की धूम काजू और मल्टीग्रेन फ्लेवर बने पहली पसंद, सेहत का भी ख्याल, खजूर की मिठास से बढ़ा हेल्थ फैक्टर

दोहाना में भाखड़ा नहर तो फतेहाबाद में बड़ोपल नहर में किया जाएगा विसर्जन

500 से 800 रुपये किलो तक रेंज

शहर में मोतीचूर के साथ कोकोनट, मल्टीग्रेन, मावा और गुलाब फ्लेवर के मोदक उपलब्ध हैं। इनकी कीमत करीब 500 से 700-800 रुपए प्रति किलो तक है। दुकानदरों के अनुसार बाहक अब केवल पारंपरिक स्वाद तक सीमित नहीं है, बल्कि नए फ्लेवर और हेल्दी विकल्प भी तलाश रहे हैं।

काजू मोदक में खजूर से मिठास

काजू मोदक को काजू पाउडर, पिस्ता, बादाम और खजूर से तैयार किया जा रहा है। कुछ वैरायटी में चीनी की जगह खजूर के पेस्ट का इस्तेमाल किया जा रहा है। इससे मिठास के साथ मೆवों का स्वाद भी मिलता है।

डाइट का ध्यान रखते हुए मिठाई का स्वाद

स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बाहकों के लिए बाजार में शुगर फ्री और लो-कैलोरी मोदक की वैरायटी भी तैयार की गई है। दुकानदरों के अनुसार ऐसे मोदक खासकर वे बाहक पसंद कर रहे हैं, जो त्योहार पर मिठाई का स्वाद लेना चाहते हैं, लेकिन अपनी डाइट का भी ध्यान रखना चाहते हैं।



फतेहाबाद। लवली स्वीट्स पर सजे अलग-अलग फ्लेवर के मोदक।

3 दिन में होगा फील्ड वेरिफिकेशन, फिर ई-खरीद से जुड़ेगा रिकॉर्ड

मेरी फसल-मेरा ब्यौरा पोर्टल ओपन

27 तक फसल का कर सकेंगे पंजीकरण

1.46 लाख एकड़ का नही हुआ था पंजीकरण

हरिभूमि न्यूज़ ►फतेहाबाद

खरीफ फसलों की सरकारी खरीद के बीच पंजीकरण से वंचित रह गए किसानों के लिए राहत की खबर है। हरियाणा सरकार ने ‘मेरी फसल-मेरा ब्यौरा’ पोर्टल को दोबारा खोलने का फैसला लिया है। अब वे किसान, जो निर्धारित अवधि में अपनी खरीफ 2026 की फसल का पंजीकरण नहीं करा पाए थे, 21 सितंबर से 27 सितंबर तक पंजीकरण के लिए आवेदन कर सकेंगे। इसके लिए किसान को सीधे ऑनलाइन पोर्टल पर आवेदन करने के बजाय संबंधित उपमंडल अधिकारी (नागरिक) यानी एसडीएम कार्यालय में लिखित आवेदन देना होगा। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की ओर से 20 सितंबर को जारी आदेशों में

► अब तक 4 लाख 14 हजार एकड़ का ही पंजीकरण

खरीफ सीजन 2026 के लिए ‘मेरी फसल-मेरा ब्यौरा’ पोर्टल पर फसलों के पंजीकरण की अंतिम तारीख 31 जुलाई निर्धारित की गई थी। इस अवधि में किसी कारणवश पंजीकरण नहीं करा पाने वाले किसानों को अब सरकार ने सीमित अवधि की अतिरिक्त सुविधा दी है। 21 से 27 सितंबर तक मिलने वाली यह सुविधा केवल वंचित किसानों के लिए होगी। यानी जिन किसानों की फसल पहले से पोर्टल पर दर्ज है, उन्हें दोबारा पंजीकरण कराने की आवश्यकता नहीं होगी। जिले में 5 लाख 60 हजार एकड़ भूमि है लेकिन 31 जुलाई तक मात्र 4 लाख 14 हजार एकड़ का ही पंजीकरण हो पाया।

डीसी करेंगे योजना मॉनिटरिंग, देरी पर नजर

सरकार ने पूरी प्रक्रिया की निगरानी की जिम्मेदारी जिला प्रशासन को दी है। उपायुक्त योजना पंजीकरण और सत्यापन की प्रगति की मॉनिटरिंग करेंगे। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि 21 से 27 सितंबर की सीमित अवधि में प्राप्त आवेदनों का समय पर निपटारा हो और पात्र किसानों को फसल बेचने में परेशानी न आए।

किसानों के लिए जरूरी बात

इस पूरी प्रक्रिया में किसानों के पास आवेदन करने के लिए सिर्फ सात दिन होंगे। इसलिए अंतिम तारीख का इंतजार करने के बजाय 21 सितंबर से ही संबंधित एसडीएम कार्यालय में आवेदन जमा करना जरूरी होगा। आवेदन में खेदट, खसरा और वास्तविक फसल रकबे की जानकारी सही देना महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसी आधार पर आगे फील्ड वेरिफिकेशन होगा।

सभी जिलों के उपायुक्तों और उप कृषि निदेशकों को इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। सरकार ने यह प्रक्रिया इसलिए तय की है ताकि पहले

पंजीकरण से छूटे किसानों की

फसल का वास्तविक रकबा और

उत्पादन सत्यापित करने के बाद ही

उसे सरकारी खरीद व्यवस्था से

जोड़ा जा सके।

यह है मामला

साइबर थाना प्रभारी प्रेम कुमार ने बताया कि बीती 18 सितंबर 2026 की कीर्ति नगर निवासी विशाल ने पुलिस को शिकायत देकर बताया कि वह याकूजा फैक्ट्री में सुपरवाइजर के पद पर कार्य करता था। इसी दौरान फैक्ट्री में काम करने वाले राहुल के साथ उसकी दोस्ती हो गई। शिकायत के अनुसार राहुल ने घर में मजबूरी बताकर विशाल से उसका एटीएम ले लिया। आरोप है कि दोस्ती का फायदा उठाते हुए राहुल ने अप्रेल माह में उसके खाते से संबंधित एटीएम का गलत इस्तेमाल करवा दिया। जब तक पोंडित को मामले का पता चला, तब तक उसके खाते से करीब 96 हजार रुपये की साइबर ठगी हो चुकी थी।



सिरसा। साइबर ठगी के आरोपी पुलिस की गिरफ्त में। *फोटो: हरिभूमि*

पुलिस टीम ने महत्वपूर्ण सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए एटीएम/खाता बेचने और खरीदने वाले दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

अभियान

स्वच्छ एप पर फोटो और लोकेशन अपलोड करते ही शिकायत पहुंचेगी चंडीगढ़

हर शिकायत पर मुख्यालय की नजर, 3 से 5 घंटे में उठेगा कूड़ा

■ समाधान नहीं हुआ तो संबंधित एजेंसी पर होगी कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज़ ►फतेहाबाद

शहर में सफाई व्यवस्था को लेकर अब लोगों की नगर परिषद कार्यालय के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। सड़क पर कूड़े का ढेर हो, नाली की सफाई न हुई हो या कूड़ा उठाने वाली गाड़ी नहीं पहुंची हो, लोग मौके की फोटो और लोकेशन स्वच्छ एप पर अपलोड कर सीधे शिकायत दर्ज कर सकेंगे। शिकायत सीधे चंडीगढ़ मुख्यालय तक पहुंचेगी और वहां से



उसकी मॉनिटरिंग होगी। शिकायत मिलने के 3 से 5 घंटे के भीतर कूड़ा उठाने और कार्रवाई की प्रोग्रेस एप पर अपडेट करने के निर्देश दिए गए हैं। तय समय में समाधान नहीं होने

पर संबंधित एजेंसी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। ऑनलाइन शिकायत दर्ज करते समय नागरिक को समस्या की फोटो के साथ मौके की लोकेशन भी अपलोड करनी



रतिया। बैठक के बाद अपनी समस्याओं की जानकारी देते हुए शेलर संचालक।

बंद पड़े थे। अब शेलर चलने शुरू हुए हैं और सरकार ने चावल लगाने के लिए 30 सितंबर तक की समय सीमा निर्धारित की है। उनके अनुसार मौजूदा परिस्थितियों में उन्हें चावल लगाने के लिए केवल करीब 15 दिन का समय मिल रहा है, जो पर्याप्त नहीं है। शेलर मालिकों ने बताया कि इस समय सबसे बड़ी

इन समस्याओं की कर सकते हैं शिकायत

- सड़क पर कूड़े का ढेर लगना
- नियमित सफाई नहीं होना
- कूड़ा उठाने वाली गाड़ी नहीं पहुंचना
- नालियों की सफाई नहीं होना
- सार्वजनिक शौचालयों में गंदगी
- मृत पशु नहीं उठाना
- खुले में कूड़ा पड़ा होना

होगी। शिकायत संबंधित क्षेत्र के स्वच्छता निरीक्षक तक पहुंचेगी। कार्रवाई के बाद शिकायत के समाधान की जानकारी भी शिकायतकर्ता को दी जाएगी।

11 ऑपरेशन जीवन ज्योति : बच्चों को नशे के दुष्प्रभावों से कराया अवगत



12 गैर शैक्षणिक कामों व जबरन टेट थोपने का विरोध



अलग-अलग फ्लेवर

कर रहे आकर्षित

इस बार पारंपरिक मोदक के साथ फ्यूजन वैरायटी की मांग भी देखने को मिल रही है। काजू, मल्टीग्रेन और रोस्टेड मावा के अलावा नारियल, मखाना और अलग-अलग फ्लेवर वाले मोदक बाहकों को आकर्षित कर रहे हैं। बाहकों की डिमांड को देखते हुए इस बार अलग-अलग फ्लेवर के मोदक तैयार किए गए हैं। -नरेश गिरधर,

रोस्टेड मावा मोदक भी उपलब्ध

रोस्टेड मावा मोदक भी बाजार में उपलब्ध हैं। मावे को भुनकर उसमें इलायची, केसर और खजूर जैसी सामग्री मिलाई जा रही है। भूनने से मावे की नमी कम होती है और मोदक को अलग तरह का स्वाद व टेक्सचर मिलता है। कुछ वैरायटी कम धी के साथ तैयार की जा रही हैं।

नारियल और मिलेट के मोदक भी पसंद

ताजे व सूखे नारियल, गुड़ या कोकोनट शुगर से तैयार कोकीनट मोदक के साथ रागी और मल्टीग्रेन मोदक भी लोगों की पसंद में शामिल हैं। इनमें विभिन्न अनाजों और मिलेट का इस्तेमाल किया जा रहा है। इसके अलावा मखाना-कोकोनट, काजू-स्ट्रॉबेरी, गुलाब और चॉकलेट फ्लेवर के मोदक भी बाहकों को आकर्षित कर रहे हैं।

लाखों रुपये की हेरोइन सहित तस्कर गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज़ ►डबवाली

पुलिस ने गांव डबवाली क्षेत्र से कार सवार युवक को लाखों रुपये की हेरोइन सहित गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार तस्कर की पहचान सिरसा जिले निवासी लखबीर सिंह के रूप में हुई है और उसके कब्जे से 24 ग्राम हेरोइन बरामद की गई है। पुलिस प्रवक्ता ने रविवार को बताया कि पुलिस

टीम गश्त व चेकिंग के दौरान गांव डबवाली क्षेत्र में मौजूद थी। इसी दौरान एक कार सवार आता दिखाई दिया जो कि पुलिस टीम को देखकर वापस मुड़ कर भागने का प्रयास करने लगा। पुलिस ने संदेह होने पर उसका पीछा किया और उसे दबोच लिया। तलाशी



सिरसा। गिरफ्तार हेरोइन तस्कर।

लेने पर कार से 24 ग्राम हेरोइन बरामद है। पुलिस पूछताछ में आरोपी की पहचान लखबीर सिंह के रूप में हुई। आरोपी के खिलाफ सदर थाना डबवाली में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। इसके अलावा पुलिस ने प्रतिबंधित नशीली गोलियां बरामदगी मामले में मुख्य तस्कर को 33 हजार 500 रुपये की ड्रग मनी सहित गिरफ्तार किया है।

114 ग्राम कोकीन बरामदगी में पुलिस ने पकड़ा एक और युवक को किया गिरफ्तार

फतेहाबाद। सीआईए दोहाना पुलिस ने 114.19 ग्राम कोकीन बरामदगी के हाई-प्रोफाइल मामले में गहनता से जांच आगे बढ़ाते हुए एक और आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पकड़े गए आरोपी की पहचान नरेंद्र उर्फ सुखा पुत्र प्रेम कुमार, निवासी गांव मीरपुर, अगोहा के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी को माननीय न्यायालय में पेश किया, जहां से अदालत के आदेशनुसार उसे न्यायिक हिरासत में हिसार जेल में भेज दिया गया। इस मामले में पुलिस अब तक कुल छह आरोपियों को गिरफ्तार

कर चुकी है। सीआईए दोहाना के प्रभारी उपनिरीक्षक अजय ने बताया कि 11 सितंबर को वशा तस्करी के खिलाफ चलाई जा रही मुहिम के दौरान पुलिस टीम को गुप्त सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर भूना-फतेहाबाद रोड प्लाईओवर के पास सर्विस रोड पर दक्षिण देकर सफेद रंग की हड़ई और कार में सवार सौनू कुमार, रविन्द्र शर्मा और एक महिला निशा उर्फ नैना को मौके पर ही काबू किया गया था। तीनों आरोपी कार में कोकीन लेकर बाहकों को सफाई करने का इंतजार कर रहे थे।

चावल लगाने में कम समय मिलने पर रोष

समय बढ़ाने की मांग

शेलर मालिकों ने कहा कि यदि समय सीमा नहीं बढ़ाई गई तो उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। कम समय में चावल वापस नहीं लग पाने से जिम्मेदारियों और शेलर मालिकों की गुगतान प्रक्रिया प्रभावित होने की आशंका है। इससे रिकवरी के लिए नोटिस मिलने की स्थिति भी पैदा हो सकती है। शेलर मालिकों ने सरकार से उनकी समस्या को गंभीरता से लेते हुए समय सीमा बढ़ाने की मांग की। उन्होंने कहा कि यदि उनकी मांग पर विचार नहीं किया गया तो भविष्य में शेलर मालिकों को सरकार के साथ नए समझौते करने और चावल लगाने की प्रक्रिया में मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है।

○ स्वच्छ सिटी और जीआरएस पर पहले भी आई 120 शिकायतें

फतेहाबाद में ऑनलाइन शिकायत व्यवस्था पहले से लागू है। वर्ष 2025 में स्वच्छ सिटी और जीआरएस पोर्टल पर 120 शिकायतें प्राप्त हुई थीं, जिनमें से 92 का 24 घंटे के भीतर समाधान किया गया। हालांकि इस साल शहरवासी एप

का अपेक्षाकृत कम इस्तेमाल कर रहे हैं। ऐसे में मुख्यालय ने लोगों से स्वच्छ एप का अधिक से अधिक इस्तेमाल करने की अपील की है, ताकि शिकायत सीधे सिस्टम में दर्ज हो और उसके समाधान की निगरानी भी हो सके।

हड़ताल के बाद व्यवस्था पटरी पर लाने में लग रहा समय

नगर परिषद ईओ सुरेश चौहान ने कहा कि सफाई कर्मचारियों की हड़ताल खत्म होने के बाद शहर की व्यवस्था को पहले की स्थिति में लाने में कुछ समय लगेगा। एजेंसी और कर्मचारी लगातार सफाई व कूड़ा उठान में जुटे हैं। लोगों को शिकायत के लिए नगर परिषद कार्यालय आने की जरूरत नहीं है। स्वच्छ एप पर फोटो और लोकेशन अपलोड करने से शिकायत सीधे संबंधित सिस्टम तक पहुंचेगी और उसके समाधान की निगरानी भी जाएगी।



कहानी

आशा खत्री 'लता'

आज पूरे पांच दिन बाद सीता अपने कमरे से बाहर निकलने का साहस जुटा पाई। अनमने मन से बरामदे में खड़ी होकर पूरे परिसर पर नजर डालते हुए उसके मन में कोई भाव नहीं था। होता भी कैसे जब जिंदगी में वह हो जाए, जिसकी कल्पना भी न की हो तो बुढ़ापे में सुख-दुःख का एहसास होने को बचता ही क्या है। फिर भी सोच-विचार तो मन का विषय है। तन शिथिल भी रहे तो मन कहाँ रुकता है। शायद तभी तो यक्ष के प्रश्न का उत्तर देते हुए धर्मराज युधिष्ठिर ने सबसे तीव्र गति मन की बताई थी। पूरे परिसर का जायजा लेते हुए सीता ने पाया कि जगह खुली और वातावरण अच्छा है। जब जीवन यात्रा का शेष समय यहीं बिताना है तो इसे ही अपना घर मानने में हर्ज ही क्या है। धीमे कदमों से टहलती हुई सीता कुछ दूरी पर पेड़ों के नीचे लगे बेंचों में से एक पर जा बैठी। वहां लगे पेड़-पौधों को देखकर उसे कुछ-कुछ अपने प्राइमरी स्कूल जैसा अनुभव हुआ। आज से लगभग सत्तर वर्ष पूर्व जब लड़कियों की पढ़ाई की ओर कोई ध्यान ही नहीं देता था, सीता के पिता ने उसे शिक्षित करने की पहल की थी।

‘पिता’ यादों की गहराई में उतरते ही उसकी आंखों से आंसुओं की अविरल धारा बह चली। बचपन में उसके चंचल स्वभाव व घर-घेर में इधर-उधर दौड़ते रहने की आदत से उसे चिड़िया कहकर बुलाते थे। पिता की देखा-देखी दोनों भाई भी उसे ‘चौंची’ चिड़िया उड़के दिखाओ, थोड़े से तो पंख उगाओ’ कहकर छेड़ते। वह उन्हें मारने दौड़ती -‘आने दो पिताजी को तुम दोनों की शिकायत करूँगी। फिर जब तुमसे सारा दिन खेत में काम करवाया जायेगा तो तुम्हें पता लगेगा।’ और वे दोनों कान पकड़कर क्षमा मांगने की स्थिति में दयनीय मुंह बनाकर सटक जाते। पिता उसे चिड़िया कहते तो उसे अक्सर स्वप्न आता कि वह जैसे चिड़िया की भाँति आसमान में ऊँची उठकर उड़ी जा रही है, लम्बी-लम्बी उड़ाने भरती हुई कहीं घबराती, कहीं आर्नान्दत होती मनचाही जगह जाकर उतरती। जगने पर वह उस सुंदर स्वप्न को याद कर दिन भर अभिभूत हुई रहती। पिता ने उसे प्राथमिक स्कूल की अध्यापिका बनाने के लिए दो वर्षीय अध्यापक प्रशिक्षण में दाखिल के साथ ही जोर-शोर से लड़का देखना शुरू कर दिया।

रामरत्न का साथ पाकर सीता के जीवन में अनन्त खुशियों के साथ दो अनमोल रत्न आये। पति-पत्नी दोनों अध्यापक। बच्चे संभालने के लिए घर में सास थी ही। उस संयुक्त परिवार में सीता अपने हिस्से का थोड़ा-बहुत काम कर पढ़ने में लगी रहती। प्राइवेट स्नातक और फिर बी एड कर वह उच्च विद्यालय की शिक्षिका की पात्रता पा गई। बच्चों की अच्छी परवरिश के लिए गाय रख ली। सीता अपने आपको दुनिया की सबसे सौभाग्यशाली स्त्री मानती हुई अपने भाग्य पर इतराती रहती। शिक्षित बेटे, शिक्षित

चिड़िया उड़ गई

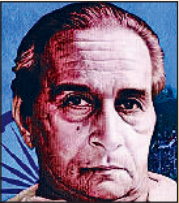
पूरे परिसर का जायजा लेते हुए सीता ने पाया कि जगह खुली और वातावरण अच्छा है। जब जीवन यात्रा का शेष समय यहीं बिताना है तो इसे ही अपना घर मानने में हर्ज ही क्या है। धीमे कदमों से टहलती हुई सीता कुछ दूरी पर पेड़ों के नीचे लगे बेंचों में से एक पर जा बैठी।



बहुएं। घर में छह प्राणी सभी बढ़िया सरकारी नौकरी में। ऐसे परिवार गांव के सम्मानित, संप्र्रांत परिवार माने जाते हैं। संयोग देखिये दोनों बहुओं ने कुछ माह के अंतराल पर ही बेटियों को जन्म दिया। दो पोतियों की दादी बना सतीता के लिए उतना उल्लासपूर्ण नहीं था, जितना दो पोतों की दादी बनाता होता। फिर भी समय के साथ दोनों दादी के दिल का टुकड़ा बन गई।

समय अपनी गति से चलता रहा। परिवर्तन प्रकृति का नियम है। दिशा-निशा दोनों कॉलेज से आकर अपनी माताओं से पहले दादी के पास आकर बैठती, उनसे दिनभर की बातें साझा करती। उनके छोटे भाई दिनेश-सर्वेश माताओं के लाड़ले हैं। भले ही सीता को उनके जन्म पर पोतों की इच्छा थी परन्तु जो स्नेह उसे दिशा-निशा से हुआ वैसा दिनेश-सर्वेश से न हो सका। खुशी भरे इन सालों में वह चिड़िया के पंख लगाकर ही तो उड़ी और अब दुःख शिकारी के जाल में आ फंसी। हष्ट-पुष्ट रामरत्न को एक दिन बुखार हुआ तो उतरने का नाम ही न लिया। तीन सप्ताह के इस डॉक्टर से उस डॉक्टर तक दौड़ते रहने पर भी वह सीता को बेटों के भरोसे छोड़कर अनन्त यात्रा पर निकल गया। सीता के लिए ये तीन हफ्ते जीवन के पैसंड सालों पर भारी थे। यूं तो सीता पहले भी अंतर्मुखी थी, परन्तु रामरत्न के जाने के बाद तो वह अवसाद में ही चली गयी। ‘माँ खाना खा लो’ सुबह बड़ी बहू कहती। ‘रख दो कामना’ ‘माँ लीजिये खाना’ शाम को छोटी बहू कहती। ‘रख दो भावना’ और ‘खाना कब तक रखा रहता, कब

अगर दो साइकिल सवार सड़क पर एक-दूसरे से टकराकर गिर पड़ें तो उनके लिए यह लाजिमी हो जाता है कि वे उठकर सबसे पहले लड़ें फिर धूल झाड़ें। यह पद्धति इतनी मान्यता प्राप्त कर चुकी है कि गिरकर न लड़ने वाला साइकिल सवार बुजदिल माना जाता है, क्षमाशील संत नहीं।



अपनी लाड़ली पोतियों को सामने देख उसके हृदय में सब कुछ भूल प्रेम का ज्वार उमड़ पड़ा। होंठ मुस्कुराहट से कांपे तो आंखें फिर से डबडबा आयीं, उसे लेने आयीं हैं, इसी खुशी में।

से आकर गाय का गोबर उठाती थी, खेत से चारा लाती थी, सानी करती थी ताकि उसके बेटे गाय के दूध का सेवन कर तेजस्वी बनें। अगले छह वर्ष में बेटे बारी-बारी हर पन्द्रह दिन में एक बार आते। वही औपचारिक मिलन, घर-रसोई का सामान ले आना, आवश्यक बैंक कार्य और विदा। जो घर उसका था, सिर्फ उसका, अब उसके अधिकांश भाग पर किरायेदारों का कब्जा था। अवसाद में डूबी सीता अब कभी-कभी बहुत अधिक बोलने लगती। घर की घुटन से बाहर निकल अड़ोस-पड़ोस में मुखर होती, किरायेदारों से उलझ पड़ती। लोगों को लगता कि उसका दिमाग चल गया है। बेटों के कानों तक बात पहुंचने लगी। उसे समझाया गया परन्तु समझाया तो नासमझ को जाता है। वह तो सब जानती थी, सबको जानती थी। रामरत्न के जाने के बाद उसने इन्हें ही तो पहचाना था।

अंततः अब यह सेवा आश्रम ही उसका अंतिम ठिकाना था। यहां उसे लाया गया था बिना कुछ पूछे, बिना कुछ बताये। ‘काश! पिताजी मैं तेरे आंगन की ही चिड़िया रहती’ बुदबुदाती हुई सीता ने आंसुओं से तर चेहरा चुनरी से पोछा। दोपहर हो गई थी। सूर्यदेव शिखर से प्रचंड आग बरसा रहे थे। वह उठकर कमरे की ओर जाने लगी तो शहतूत के पेड़ के नीचे पड़े पत्थर पर कुछ चिड़िया दाना चुगते दिखी। वह उन्हें दूर से ही निहाराती रही, कहीं पास जाने से ये उड़ न जायें। तभी उसे अपने निकट आते कदमों की आहट सुनाई दी।

‘दादी’ दिशा-निशा दोनों ने एक साथ कहा।

अपनी लाड़ली पोतियों को सामने देख उसके हृदय में सब कुछ भूल प्रेम का ज्वार उमड़ पड़ा। होंठ मुस्कुराहट से कांपे तो आंखें फिर से डबडबा आयीं, उसे लेने आयीं हैं, इसी खुशी में। ‘दादी, कौसी हैं आप’ दिशा-निशा ने उससे लिपटते हुए कहा। ‘अब अच्छी हूँ’ वह फफक पड़ी। दिशा-निशा ने उसे मुश्किल से चुप कराया। फिर वे दादी को लेकर उनके कमरे में आ गयीं। ‘वाव दादी, कमरा तो अच्छा है।’ दिशा ने कहा। ‘पापा कह रहे थे थोड़ा महंगा जरूर है पर कोई कमी या असुविधा नहीं होगी आपको।’ निशा बोली।

वह समझ गयी पोतियां महज औपचारिकता निभाने आयी हैं। कितनी देर क्या बातें हुईं अपने में ही गुम सीता सुन नहीं पायी। आधे घण्टे बाद वह उन्हें विदा कर कमरे में पड़ी कुर्सी पर बैठी तो सामने पत्थर पर दानें चुग रही चिड़ियां एकाएक फुर्र से उड़ गईं। उन्हें उड़ते देख सीता ने दिशा-निशा की दूर जा रही छायाओं को देखा। उसे एक हिचकी आयी और उसकी गर्दन कुर्सी पर एक ओर लुढ़क रही थी। उसी परिसर के किसी कमरे में गीत बज रहा था ‘चल उड़ जा रे पंछी के अब ये देश हुआ बेगाना।’

हुड़दंग से आंसू बहाता लोकतंत्र

कवि कॉर्नर
कविता विनोद कुमार



हिन्दी की मंदी

राजभाषा की कुंडली में गह-नक्षत्र की चाल है, हिंदी की लंबी मंदी में आया सितंबरी उछाल है।

देवनागरी की घोड़ी पर रोमन लिपि सवार है, मातृभाषा से अधिक हो रहा आंग्ल भाषा का सत्कार है।

हिंदी पखवाड़े में देखो कार्यशाला और सेमिनार है, सरकारी दफ्तरों में धूम मची, साहित्यिक गोष्ठियों में चित्कार है।

कहीं निबंध, कहीं भाषण है, कहीं पुरस्कारों की बहार है, सितंबर में हर तरफ चल रही हिंदी सेवा की बहार है।

चिंता है, चिंतन है, हिंदी पर खूब मंथन है, पखवाड़े में हिंदी-हिंदी, बाकी दिनों में अंग्रेजी की बहार है।

कॉलेज से लेकर कोर्ट तलक जब अंग्रेजी का मायाजाल है, हिंदी को अपनाईं कैसे? यही सबसे बड़ा सवाल है।

दोहे	नरेन्द्र कुमार
------	----------------



जैसे को तैसा

प्रकृति के साथ तुमने, जो जुलूम किया था ।
जीते की जानवरों का , जो खून पीया था ॥

जंगल झाड़ू को तुमने , जो नाश किया था ।
इस आसमान को तुमने , जो धुआं दिया था ॥

ये सब उसी का परिणाम, तुम मर रहे हो ।
आपनी करनी अपने आप , अब भुगत रहे हो ॥

खिन जुर्म के कैदी सा , जीवन जी रहे हो ।
अपने घर में डर-डर के, जहर पी रहे हो ॥

छोटे से कण ने क्या ? कोहराम मचाया ।
वो एटम बम भी किसी के , ना काम आया ॥

जोड़ -जोड़ धर राख्या , वो भी ना खयाा ।
घर से बाहर निकलते ही , मौत का साथी ॥

हे भगवान ! ये तेरी , कैसी माया है ?
कई दिन में नरेन्द्र की , समझ में आया है ॥



व्यंग्य **आसिम अनमोल**

इन दिनों सच और झूठ का सबक बड़े ही कलात्मक ढंग से सिखाया जा रहा है। जेन जी के साथ संवाद करने की कला को वाई के आकार के बने रैंप पर चलकर युवाओं के दिलों तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। देश की सियासत महंगाई और विकास के नाम पर भले ही टाटा, बाय-बाय कर ले। लेकिन लोगों के दिलों तक पहुंचने का रास्ता इतना चमकदार और मजबूत होना चाहिए। लोग बातों में ही खोए रहें, और बहकते रहें। हमारे देश में जो दिखता है वही बिकता है। इसी तर्ज पर भारतीय राजनीति में जितना शाब्दिक हुड़दंग होगा, उतना ही राजनीति करने वालों के प्रति लोग आकर्षित नजर आएंगे ।

इस हुड़दंग से एक चीज तो बिल्कुल साफ़ हो जाती है कि अगर किसी को राजनीति सीखकर कामयाबी के शिखर को छूना हो तो कोई हमारे यहां की राजनीति में आ सकता है। सीखने के लिए कोई चार्ज नहीं लगता है।बस हुड़दंग करने की आपके अंदर कुव्वत और राजनीतिक कला होनी चाहिए। क्योंकि हुड़दंग और कलात्मक ढंगों के बिना न ही आप राजनीतिक सफर को आगे बढ़ा

इस हुड़दंग से एक चीज तो बिल्कुल साफ़ हो जाती है कि अगर किसी को राजनीति सीखकर कामयाबी के शिखर को छूना हो तो कोई हमारे यहां की राजनीति में आ सकता है। सीखने के लिए कोई चार्ज नहीं लगता है। बस हुड़दंग करने की आपके अंदर कुव्वत और राजनीतिक कला होनी चाहिए। क्योंकि हुड़दंग और कलात्मक ढंगों के बिना न ही आप राजनीतिक सफर को आगे बढ़ा सकते हैं।

सकते हैं और न ही मीडिया की नजर में आप राजनीति में कामयाब होने का परसेटेंज बढ़ा सकते हैं। राजनीति में हुड़दंग बड़ी ही मुफीद चीज है साबित होती है। जब तक हुड़दंग नहीं होगा, तब तक हाई कमान के द्वारा तक कोई खास निर्णय नहीं लिए जाएंगे। इसलिए राजनीतिक हुड़दंग कभी भी आम ईंसान को मयसर नहीं होती । न ही उसको हाई कमान की तरफ से चुनाव लड़ने के

लायक समझा जाता है। जो हुड़दंग करके सैकड़ों-लाखों की भीड़ इकट्ठा करने में सक्षम होता है। उसको ही मैदान में धकेला जाता है। यह हुड़दंग का ही तो कमाल होता है कि हमारे माननीयों द्वारा सदन तक में एक-दूसरे के कपड़े फाड़ने व मेज़ कुर्सी तोड़ने का प्रयास किया जाता है। वो तो गनीमत रहता है कि जिस्म के निचले हिस्से के वस्त्रों ने कभी कोई विरोध की आवाज नहीं उठाई। वर्ना

एक और अजूबा रिकार्ड राजनीति के इतिहास में दर्ज होकर रह जाता। हुड़दंग अपने आपमें कुशल राजनीति करने का अभिन्न अंग बन चुका है। हुड़दंग एक अदना से कार्यकर्ता को भी लाइम लाइट में लाकर विभिन्न चैनलों का बादशाह बना देता है। हुड़दंग ही कभी-कभी जनता को जागरूकता की ओर अग्रसर कर देता है। कभी-कभी सार्थक हुड़दंग से ही सत्ता परिवर्तन हो जाता है। हुड़दंग अगर न होता तो राजनीति की कोई पूछ ही नहीं होती।

राजनीति का प्लेटफार्म हाशिये पर लावारिश पड़ा होता। यह हुड़दंग की ही जरां नवाजी है। जिसने हाथ पैर उछाल-उछालकर, गुला फाड़ फाड़कर राजनीति को एक नामचीन चीज बना दिया । यह हुड़दंग की ही पावर है जो बड़े-बड़े प्रस्ताव को भी मंजूर कराने की हिम्मत रखता है। हुड़दंग ही एक ऐसा पासा है जो राजनीतिक जमीन पर जब पेंका जाता है तो लोकतंत्र भी बेचारा आंसू बहाता नजर आता है।

का नंबर आया तो उसने पूछा, “एक लिफाफे में डालने के बाद दूसरे लिफाफे में क्यों डालते हो? आजकल तुमनाबदार तो एक लिफाफा भी बड़ी मुश्किल से देते हैं।” लड़के ने मुस्कराकर लिफाफे की ओर इशारा किया, “साहब, शायद आपने लिफाफे के बाहर लिखा हुआ नहीं पढ़ा।” जोगिंदर ने लिफाफा देखा। उस पर लिखा था—

“मूंगफली खाने के बाद कृपया छिलके इसमें डालें। गांठ लगाकर पास के डस्टबिन में डाल दें।” जोगिंदर ने आश्चर्य से पूछा, “लेकिन अगर लोग तुम्हारी बात नहीं मानेंगे तो?” “समी नहीं मानेंगे, साहब,” लड़का सहजता से बोला, “लेकिन कुछ तो जरूर मानेंगे।” वह थोड़ी देर रुका और फिर बोला, “लोग मूंगफली खाकर टून के डिब्बों में, बसों में, सड़क

किनारे और पार्कों में हर जगह छिलके डाल देते हैं। अपना घर साफ रखते हैं, लेकिन बाहर की सफाई को अपनी जिम्मेदारी नहीं समझते। मैंने सोचा, अगर मैं अपनी ओर से छोटा-सा प्रयास करूं तो शायद अपने राष्ट्र के स्वच्छता अभियान में थोड़ा-सा योगदान दे सकूं।”

जोगिंदर के पास कोई जवाब नहीं था। उसकी नजर फिर उस लड़के पर पड़ी। उसे लगा, हम पढ़े-लिखे लोगों से तो यह अनपढ़-सा लड़का कहीं आगे निकल गया- राष्ट्र की सेवा का अर्थ समझने में।



डॉ. अंजना गर्ग

कहानीकार

लड़का सहजता से बोला, “लेकिन कुछ तो जरूर मानेंगे।” वह थोड़ी देर रुका और फिर बोला, “लोग मूंगफली खाकर टून के डिब्बों में, बसों में, सड़क किनारे और पार्कों में हर जगह छिलके डाल देते हैं। अपना घर साफ रखते हैं, लेकिन बाहर की सफाई को अपनी जिम्मेदारी नहीं समझते। मैंने सोचा, अगर मैं अपनी ओर से छोटा-सा प्रयास करूं तो शायद अपने राष्ट्र के स्वच्छता अभियान में थोड़ा-सा योगदान दे सकूं।”

जोगिंदर के पास कोई जवाब नहीं था। उसकी नजर फिर उस लड़के पर पड़ी। उसे लगा, हम पढ़े-लिखे लोगों से तो यह अनपढ़-सा लड़का कहीं आगे निकल गया- राष्ट्र की सेवा का अर्थ समझने में।

हरिभूमि

रोहतक, सोमवार, 21 सितंबर 2026

10

पुस्तक समीक्षा

कालजयी पुस्तक है ‘हरियाणा के हिन्दी साहित्यकार’



समीक्षक

मधुकांत

‘हरियाणा के हिन्दी साहित्यकार’ केवल एक पुस्तक नहीं, बल्कि हरियाणा की उस वैचारिक और बौद्धिक चेतना का जीवंत साक्ष्य है, जिसे अक्सर मुख्यधारा के साहित्यिक इतिहास में वह स्थान नहीं मिल पाया जिसकी वह हकदार थी। भारत की आजादी के अमृत महोत्सव के पावन और ऐतिहासिक अवसर पर इस ग्रंथ का प्रकाशन एक अत्यंत सामयिक और श्लाघनीय कदम है। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के पूर्व आचार्य एवं अध्यक्ष डॉ. लालकव्व गुप्त ‘मंगल’ के कुशल संपादन में तैयार यह ग्रंथ हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला द्वारा प्रकाशित किया गया है। पुस्तक का मुख्य उद्देश्य हरियाणा प्रदेश के महत्वपूर्ण हिंदी रचनाकारों के अमूल्य अवदान को एक स्थान पर संकलित कर उसे आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित करना है। पुस्तक का अध्ययन करने पर स्पष्ट होता है कि इसका प्राथमिक लक्ष्य हरियाणा में रचित हिंदी साहित्य के अंतर्गत 75 प्रतिनिधि रचनाकारों के कर्तृत्व और



व्यक्तित्व को एक मंच पर लाना था। इस कसौटी पर यह ग्रंथ पूरी तरह खरा उतरता है। इस ग्रंथ की सबसे बड़ी विशेषता इसका बहुविधतामक होना है। यह किसी एक कालखंड या एक साहित्यिक विधा (जैसे केवल कविता या केवल कहानी) तक सीमित नहीं है। इसमें हिंदी साहित्य के लगभग सभी रूपों जैसे काव्य, गद्य-साहित्य, लोक-साहित्य, इतिहास-लेखन, पत्रकारिता और अनुवाद-कला के विविध आयामों को एक साथ समेटा गया है। पुस्तक में महाकवि सूरदास और गोस्वामी तुलसीदास के साथ हरियाणा के गहरे, ऐतिहासिक संबंधों पर जो प्रामाणिक प्रकाश डाला गया है, वह पाठकों और शोधार्थियों के लिए साहित्यिक इतिहास के वाप झरोखे खोलता है। संपादन की दृष्टि से डॉ. लालकव्व गुप्त ‘मंगल’ का अनुभव हर पृष्ठ पर झलकता है। पुस्तक की भाषा-शैली अत्यंत गंभीर, परिमार्जित और तत्समनिष्ठ होते हुए भी बोधगम्य है, जिससे आम पाठक और शोधार्थी दोनों ही बिना किसी उलझन के इसे पढ़ सकते हैं। अपनी प्रामाणिकता, विस्तृत अनुसंधान, विधागत विविधता और समावेशी दृष्टिकोण के कारण यह पुस्तक हिंदी साहित्य के इतिहास-लेखन में एक मील का पत्थर है। यह आने वाली पीढ़ियों, प्राध्यापकों और शोधार्थियों के लिए एक अमूल्य मार्गदर्शिका का कार्य करेगी।

कुछ हटकर

डिजिटल मार्केटिंग में बढ़ते करियर के अवसर



डॉ. मोहित बंसल

करियर कोच एवं मोटिवेशनल स्पीकर

क्या सीखें?

किसी भी डिजिटल मार्केटिंग कोर्स सिलेबस को चुनने से पहले यह देखना जरूरी है कि उसमें थ्योरी के साथ प्रैक्टिकल ट्रेनिंग भी दी जा रही है या नहीं। आमतौर पर डिजिटल मार्केटिंग कोर्स कंटेंट में एसईओ, गूगल एड्स, मेटा एड्स, सोशल मीडिया मार्केटिंग, गूगल एनालिटिक्स जीए4, एआई टूल्स फॉर डिजिटल मार्केटिंग और परफॉमेंस मार्केटिंग शामिल होते हैं। इसके साथ कंटेंट मार्केटिंग और लीड जनरेशन की जानकारी भी उपयोगी है। विद्यार्थियों को केवल सर्टिफिकेट पर निर्भर रहने के बजाय लाइव प्रोजेक्ट्स, इंटरशिप और पोर्टफोलियो पर भी ध्यान देना चाहिए।

बीकॉम, बीए, बीजेएमसी, एमबीए और अन्य विषयों से ग्रेजुएशन करने वाले विद्यार्थी इस क्षेत्र में करियर बना सकते हैं।



स्किल्स का संयोजन

■ फ्रेशर्स के लिए ग्रेजुएशन + डिजिटल मार्केटिंग स्किल्स + प्रैक्टिकन नॉलेज + कम्प्युटेशन स्किल्स का संयोजन उपयोगी हो सकता है। यह रखे कि सर्टिफिकेट आपको एंट्री दिला सकता है, लेकिन आपको स्किल्स और रिजल्ट देने की क्षमता आपका करियर आगे बढ़ाती है।

करियर विकल्प

डिजिटल मार्केटिंग की जरूरत आईटी, ई-कॉमर्स, एजुकेशन, बैंकिंग, हेल्थकेयर, रियल एस्टेट, होस्पिटैलिटी, ऑटोमोबाइल, रिटेल और स्टार्टअप सहित कई इंडस्ट्री में है।

■ एसईओ स्पेशलिस्ट – वेबसाइट की सर्व इंजन विजिबिलिटी और रैंकिंग बेहतर करना।

■ गूगल एड्स स्पेशलिस्ट – पेड एडवर्टाइजिंग कैंपेन और कन्वर्जन को मैनेज करना। डिजिटल मार्केटिंग में सफल करियर के लिए केवल कोर्स या सर्टिफिकेट पर्याप्त नहीं है। प्रैक्टिकल स्किल्स, लाइव प्रोजेक्ट्स, इंटरशिप, पोर्टफोलियो और लगातार सीखने की आदत आपको इंडस्ट्री के लिए अधिक जॉब-रेडी बना सकती है।

सैलरी इन इंडिया

डिजिटल मार्केटिंग सैलरी इन इंडिया उम्मीदवार की स्किल्स, अनुभव, लोकेशन, कंपनी और स्पेशलाइजेशन पर निर्भर करती है। फ्रेशर्स आमतौर पर एंट्री-लेवल रोल से शुरुआत करते हैं, जबकि एसईओ, परफॉमेंस मार्केटिंग, गूगल एड्स, एनालिटिक्स और एआई टूल्स में सर्टिफिकेशन रखने वाले प्रोफेशनल्स अनुभव के साथ बेहतर अवसर प्राप्त कर सकते हैं।

सुझाव: किसी भी करियर का चुनाव करने से पहले किसी योग्य शिक्षित सलाहकार से सलाह अवश्य लें। अधिक जानकारी के लिए आप Career Jaano पर भी विजिट कर सकते हैं।

गांव बीराबदी में पुलिस टीम ने चलाया जागरूकता अभियान ऑपरेशन जीवन ज्योति : बच्चों को नशे के दुष्प्रभावों से कराया अवगत

संदिग्ध गतिविधि की सूचना पुलिस को देने की अपील
हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ फतेहाबाद

जिले में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन जीवन ज्योति के तहत नशा मुक्ति टीम फतेहाबाद द्वारा गांव बीराबदी में व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान विद्यार्थियों, आमजन एवं पंचायत सदस्यों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी देते हुए नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया गया। नशा मुक्ति टीम ने एसआई सुंदरलाल के नेतृत्व में गांव बीराबदी स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में जागरूकता सेमिनार आयोजित किया। सेमिनार के दौरान विद्यार्थियों को नशे के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को बताया गया कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य और भविष्य को प्रभावित करने के साथ-साथ परिवार एवं समाज पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालता है। इस दौरान विद्यार्थियों को जीवन में कभी नशा न करने की शपथ भी दिलाई गई। विद्यालय में आयोजन के बाद टीम



फतेहाबाद। विद्यार्थियों को नशे के खिलाफ शपथ दिलाते हुए।

ने गांव में नुकड़ सबा आयोजित कर आमजन एवं पंचायत प्रतिनिधियों को जागरूक किया। पुलिस टीम ने ग्रामीणों से अपील की कि वे नशे की रोकथाम के लिए पुलिस का सहयोग करें तथा अपने आसपास नशे से संबंधित किसी भी तरह की संदिग्ध गतिविधि की सूचना निरसंकोच पुलिस को दें। अभियान के दौरान टीम द्वारा पूर्व में चिन्हित नशा पीड़ितों के घर-घर जाकर उनसे तथा उनके परिजनों से सीधा संपर्क साधा गया। उन्हें पुलिस प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे नशा मुक्ति शिविर में उपलब्ध निःशुल्क उपचार और काउंसलिंग की सुविधाओं के बारे में विस्तार से बताया गया।

उचित इलाज कराने को किया प्रेरित
इस दौरान टीम ने 03 नशा पीड़ितों को भी चिन्हित किया, जिन्हें काउंसलिंग के बाद नशा मुक्ति केंद्र पहुंचकर अपना उचित इलाज कराने के लिए प्रेरित किया गया। फतेहाबाद पुलिस ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि नशे की समस्या से जूझ रहे लोगों को तिरस्कार के बजाय उपचार, काउंसलिंग और परिवार के सहयोग की आवश्यकता होती है। सभी वर्गों के सामूहिक प्रयासों से ही एक स्वस्थ और नशामुक्त समाज का निर्माण संभव है।

नशे की चपेट में आए लोगों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास
डबवाली। नशे के खिलाफ डबवाली पुलिस ने अपनी मुहिम को व्यापक रूप देते हुए अब तस्करों पर कार्रवाई के साथ-साथ नशे की चपेट में आए लोगों को उपचार और समाज की मुख्यधारा से जोड़ने पर भी जोर दिया है। पुलिस प्रवक्ता आनंद कुमार ने बताया कि बीते एक सप्ताह के दौरान नशा मुक्ति टीम डबवाली ने 11 गांवों और दो वार्डों में घर-घर जाकर अभियान चलाया। इस दौरान टीमों ने नशे की समस्या से जूझ रहे लोगों की पहचान कर 31 नशा पीड़ितों को उपचार एवं परामर्श से जोड़ा। उपचार शुरू करने वाले लोगों से पुलिस टीमों द्वारा लगातार संपर्क बनाए रखते हुए उनकी प्रगति की जानकारी भी ली जा रही है। नशे के खिलाफ अभियान को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के लिए डबवाली पुलिस ने पंचायतों के सहयोग से 39 गांवों तथा मंडी कालावाली में नशा मुक्ति कमेटीयों का गठन किया है। ये कमेटीयां अपने क्षेत्रों में नशे से प्रभावित लोगों की पहचान करने, उन्हें उपचार के लिए प्रेरित करने और युवाओं को नशे से दूर रखने में



पुलिस की सहयोगी के रूप में कार्य कर रही हैं। बीते सप्ताह इन कमेटीयों के सदस्यों ने 33 नशा पीड़ितों की पहचान कर उन्हें उपचार एवं परामर्श से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके अलावा युवाओं को खेल, शिक्षा और अन्य रचनात्मक गतिविधियों से जोड़कर सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

आध्यात्मिक आयोजन सामाजिक समरसता और संस्कृति को करते हैं मजबूत : बराला

राधाष्टमी पर दोहाना में गुंजा श्री राधा नाम संकीर्तन
हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ फतेहाबाद

राधाष्टमी के पावन अवसर पर मेन पार्किंग, रेलवे रोड, दोहाना में 'श्री राधा नाम संकीर्तन' कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ किया गया। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर श्री राधा नाम का संकीर्तन किया और भक्तिमय वातावरण में आध्यात्मिक आनंद की अनुभूति की। प्रेमानंद जी महाराज की



फतेहाबाद। दोहाना में आयोजित कार्यक्रम में सांसद बराला को सम्मानित करते श्रद्धालु।

प्रेरणा से श्री राधा नाम पदयात्रा द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव के साथ श्री राधा नाम का गुणगान किया। राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने राधाष्टमी के पावन पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राधाष्टमी प्रेम, भक्ति, श्रद्धा और

समर्पण का संदेश देने वाला पावन पर्व है। ऐसे आयोजन लोगों को अपनी सनातन संस्कृति, परंपराओं और संस्कारों से जोड़ने के साथ-साथ समाज में आपसी भाईचारे एवं सद्भाव की भावना को भी मजबूत करते हैं।

गणेश महोत्सव को लेकर आज होगा जागरण

रतिया। श्री गणेश सेवा मंडल रतिया द्वारा 22वां गणेश महोत्सव बड़ी श्रद्धा व उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। यह जानकारी देते हुए जितेंद्र अग्रवाल ने बताया कि महोत्सव के उपलक्ष्य में 21 सितंबर को विशाल जागरण का आयोजन किया जाएगा। जागरण में शहर की प्रसिद्ध श्रद्धिचर्या बतौर विशेष अतिथि शिरकत करेंगी। जिनमें संजय मोदी, प्रमोद बंगल, रमन, कमल आदि शामिल होंगे। मंडल के पदाधिकारियों ने बताया कि विसर्जन फतेहाबाद रोड स्थित सुखचैन नहर पर किया जाएगा। श्री गणेश महिला मंडल द्वारा रोजाना सायं 4 बजे से 7 बजे तक भजन-कीर्तन किया जा रहा है। सभी शहरवासियों से विशाल जागरण में सपरिवार पहुंचने की अपील की है।

गोशाला से मोटर व रुपये चोरी करने वाला गिरफ्तार

हिसार। अग्रोहा थाना पुलिस ने गांव श्यामसुख स्थित गोशाला के मंदिर से पानी की मोटर और दानपात्र से रुपये चोरी करने के मामले में गांव के ही रविंद्र को गिरफ्तार किया है। थाना अग्रोहा के सहायक उप निरीक्षक सुभाष ने बताया कि 18 सितंबर को श्यामसुख निवासी महेंद्र ने शिकायत दी थी कि गांव की गोशाला स्थित मंदिर से पानी की मोटर और दानपात्र से रुपये चोरी हो गए हैं। शिकायत पर केस दर्ज करके जांच करते हुए पुलिस ने आरोपी रविंद्र की पहचान कर उसे गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि चोरी किए गए करीब चार हजार रुपये उसने गोशाला सचिव के माध्यम से दोबारा मंदिर के दानपात्र में डलवा दिए थे।

घर से सोने-चांदी के जेवर चोरी, दो आरोपी गिरफ्तार, शत-प्रतिशत आभूषण बरामद

- चोरी का माल खरीदने वाला सह आरोपी वेदपाल को भी किया काबू
- दोनों आरोपियों को अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ हिसार

सदर थाना पुलिस ने शाहपुर गांव में घर से सोने-चांदी के आभूषण चोरी करने के मामले को सुलझाते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी किए गए शत-प्रतिशत सोने-चांदी के आभूषण बरामद कर लिए हैं। पुलिस के अनुसार शाहपुर निवासी महिला मुकेश की शिकायत पर घर से सोने-चांदी के जेवरत चोरी होने का मामला दर्ज किया गया था। जांच अधिकारी पीएसआई राजेश कुमार की टीम ने कार्रवाई करते हुए गांव के ही 18 वर्षीय नवीन उर्फ लड्डू को गिरफ्तार किया। पूछताछ के आधार पर चोरी का सामान खरीदने में शामिल सह-आरोपी गांव के ही 42 वर्षीय वेदपाल उर्फ वेदू को भी गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि वेदपाल की निशानदेही पर चोरी किए गए पूरे आभूषण बरामद कर लिए गए। इनमें करीब 15 ग्राम वजन के दो ताबीजी, एक जोड़ी बाली और दो अंगूठियां तथा करीब 12 तोले चांदी की एक चेन और एक जोड़ी पाजबे शामिल हैं। दोनों आरोपियों को अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

शटर पर रंग कराने को लेकर हुआ विवाद समाजसेवियों की पहल से सुलह की बनी राह

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ भूना

शहर की पुरानी जनता धर्मशाला में दुकान के शटर पर रंग कराने को लेकर मैनेजर और किराएदार के बीच हुए विवाद को सुलझाने के लिए रविवार को बैठक आयोजित की गई। समाजसेवी बलविंदर सिंह कैरो की अध्यक्षता में हुई बैठक में शहर के गणमान्य नागरिकों और समाजसेवियों ने दोनों पक्षों की बात सुनी और आपसी सहमति से विवाद का समाधान कराने की पहल की। बैठक में दोनों पक्षों के चार-चार सदस्यों की कमेटी गठित की गई। कमेटी की मध्यस्थता के बाद हुए समझौते के तहत दुकानदार पक्ष द्वारा



भूना। दुकानदार-मैनेजर विवाद को लेकर आयोजित बैठक में भाग लेते

माफीनामा देने तथा 31 दिसंबर तक बकाया किराया राशि अदा करने पर सहमति बनी। वहीं, धर्मशाला मैनेजर द्वारा पुलिस थाने में दी गई शिकायत वापस लेने पर भी दोनों पक्षों में सहमति बनी। गौरतलब है कि

शुक्रवार देर शाम दुकान के शटर पर रंग कराने को लेकर मैनेजर अमनदीप और किराएदार के बीच विवाद हो गया था। मैनेजर अमनदीप और उसकी पत्नी राधा कुमारी ने गाली-गलौज, मारपीट

ये रहे मौजूद

उसने इसका विरोध किया और विवाद के दौरान आत्मरक्षा में मैनेजर को धक्का देने की बात कही। बैठक में जनता धर्मशाला के प्रधान प्रमोद धारनिया, पूर्व अध्यक्ष राजकुमार सिंगला, मंगल सेन, महावीर बागड़ी, राजबीर दहिया, अरुण सेठी, नगरपालिका वाइस चेयरमैन नरेंद्र बागड़ी, प्रवीण धारनिया, नंदलाल कंबोज, बलजीत सोनी, रोहतास गोयल, सुशील धारनिया, बजरंग शर्मा सहित अनेक गणमान्य लोग

और धमकी देने के आरोप लगाए थे। घटना की सीसीटीवी फुटेज भी सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी।

पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी से जुड़े संदिग्ध तत्वों ने फैलाया डिजिटल जाल

विदेशी नंबरों से कॉल व ऑनलाइन जॉब ऑफर से रहें सावधान

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ फतेहाबाद

सोशल मीडिया पर अनजान दोस्ती, विदेशी नंबर से कॉल, ऑनलाइन जॉब का ऑफर या कम समय में ज्यादा कमाई का लालच... ये महज साइबर उगी के तरीके ही नहीं, बल्कि युवाओं को डिजिटल जाल में फंसाने के लिए भी इस्तेमाल किए जा सकते हैं। फतेहाबाद पुलिस ने पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े संदिग्ध तत्वों और पाकिस्तान इंटरलिजेंस ऑपरेटिव्स की संभावित डिजिटल गतिविधियों को लेकर युवाओं के

पुलिस की अपील : संदिग्ध गतिविधि दिखे तो तुरंत सूचना दें
अनजान विदेशी नंबरों से आने वाली कॉल, मैसेज और वीडियो कॉल पर भरोसा न करें। सोशल मीडिया पर अनजान लोगों की फ्रेंड रिक्वेस्ट स्वीकार करने और निजी बातचीत करने में सावधानी बरतें। किसी अनजान व्यक्ति के साथ फोटो, वीडियो, लोकेशन, पहचान संबंधी दस्तावेज या अन्य संवेदनशील जानकारी साझा न करें। लॉटरी, इनाम, ऑनलाइन जॉब या कम समय में अधिक कमाई के लालच में किसी संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करें और न ही

लिफ्ट जहाज फ्लाइटजरी जारी की है। पुलिस के अनुसार, फर्जी सोशल मीडिया प्रोफाइल, व्हाट्सएप, फोन कॉल और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के

जरिए पहले युवाओं से संपर्क किया जा सकता है। बातचीत के जरिए विश्वास कायम करने के बाद निजी फोटो, वीडियो, लोकेशन,

युवाओं को नशे के दुष्परिणामों से बचाव के प्रति किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ फतेहाबाद

युवाओं को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने तथा नशामुक्त भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से मेरा युवा भारत फतेहाबाद, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा एमएम कॉलेज, फतेहाबाद में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर 100 सप्ताह के संकल्प 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत' के अंतर्गत युवाओं को नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई गई तथा इस संकल्प को अपने जीवन में अपनाने का आह्वान किया। वक्ताओं ने युवाओं से कहा कि इस संकल्प को केवल एक



फतेहाबाद। नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत के तहत आयोजित समारोह में विजेताओं को सम्मानित करते अधिकारी।

शपथ तक सीमित न रखते हुए इसे अपने जीवन का हिस्सा बनाएं तथा स्वयं नशे से दूर रहते हुए अपने परिवार, मित्रों और समाज को भी नशामुक्त बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएं। इस दौरान नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत के अंतर्गत

स्लोगन प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन माय भारत, एनएसएस, रेडक्रॉस के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। प्रतियोगिता में हरमन ने प्रथम स्थान, लीवांशी ने द्वितीय स्थान तथा चेरी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

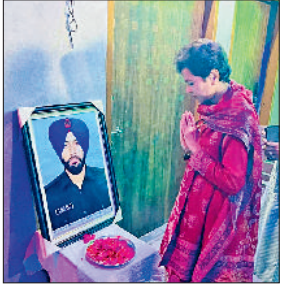
नशे से दूरी, शिक्षा जरूरी का संकल्प लें विद्यार्थी : इन्दौरा

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ रतिया

विद्यार्थियों को अपने जीवन में नशों से दूरी बनाकर शिक्षा को अपने जीवन की उन्नति के लिए जरूरी बनाने का संकल्प लेना चाहिए। यह बात सेवा संकल्प अभियान के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में सैकेंडरी स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए एमिनेंट पर्सन सीएम विंडो व धानक समाज उत्थान सभा के प्रदेश अध्यक्ष सुनील इन्दौरा ने कही। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को अपने जीवन में शिक्षा के साथ-साथ खेलों में रुचि रखनी चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तरह देश सेवा का जज्बा होना

■ पीएम से जन्मदिवस पर सैकेंडरी स्कूल में कार्यक्रम

चाहिए, उनको अपना प्रेरणास्रोत मान कर आगे बढ़ना चाहिए। सुनील इन्दौरा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज देश को विश्व स्तर पर एक अलग पहचान दी है और आज विश्व भर में भारत का डंका बज रहा है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को अपनी रुचि के अनुसार शिक्षा के साथ साथ अपनी प्रतिभाओं को निखारना चाहिए और आगे बढ़ना चाहिए। इस अवसर पर प्रिंसिपल नन्द किशोर सोलंकी, कुलदीप सिंह, रुप सिंह, रणबीर सिंह मोलिया, प्रिंसिपल गणेश शर्मा सहित स्कूल स्टाफ उपस्थित था।



पुष्प अर्पित करती सांसद सैलजा।

सैलजा सिरसा स्थित गुरुद्वारा साहब दसवीं पाठशाली में शिरोमणि शहीद धन-धन बाबा जीवन सिंह के प्रकाश पर्व पर आयोजित समागम में पहुंची और माथा टेका। इसके बाद सैलजा सिरसा की अनाज मंडी

मतदान का अधिकार लोकतंत्र की बुनियाद
सैलजा ने कहा कि बड़ी संख्या में लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं और प्रभावित लोगों को अपना नाम जुड़वाने या स्थिति स्पष्ट करवाने के लिए कार्यालयों के उत्तक करवाते पड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि मतदान का अधिकार लोकतंत्र की बुनियाद है, इसलिए किसी भी पात्र मतदाता को इससे वंचित नहीं होना चाहिए। इस मौके पर कालावाली विद्याचक्र शोधाल केहरवाला, पूर्व सांसद सुशील इंदौरा, कृष्ण फौगाट, राजेश चांडीवाल, वीरगान मेहता, नवीन कैडिया, राजकुमार शर्मा, सतपाल मेहता, राजन मेहता, सर्वमित्र कंबोज, लालूराज पूनिया, सुभाष जोधपुरिया आदि कावेस नेता मौजूद थे।

में आयोजित डेरा बाबा भूमणशाह संगर साधा के सत्संग में पहुंची और कहा कि बाबा ब्रह्मदास महाराज के 36 बिरादरी को भक्ति, भाईचारे और सामाजिक एकता का अच्छा संदेश दे रहे हैं। मीडिया से बातचीत

करते हुए डिजिटल भुगतान और यूपीआई से जुड़े सवाल पर सैलजा ने कहा कि ऐसे किसी भी फैसले का असर छोटे व्यापारियों, दुकानदारों और आम लोगों पर नहीं पड़ना चाहिए।

विद्यार्थियों ने भाषण, रंगोली और पोस्टर मेकिंग में प्रतिभा का किया शानदार प्रदर्शन

■ चूली कलां के स्कूल में सेवा संकल्प कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ भद्रकलां

क्षेत्र के गांव चूली कलां स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के प्रांगण में सेवा संकल्प कार्यक्रम के तहत विभिन्न शैक्षणिक व सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विद्यालय के प्रांगण में सेवा संकल्प कार्यक्रम में आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने भाषण प्रतियोगिता, रंगोली प्रतियोगिता और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में अत्यधिक उत्साह के साथ भाग लिया और



भद्रकलां। चूली कलां स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते विद्यार्थी।

अपनी प्रतिभा का बेहतरीन प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की नोडल ऑफिसर मनीषा बिश्नोई ने विद्यार्थियों को प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने के लिए प्रेरित किया। उनके कुशल संयोजन में छात्र-छात्राओं ने सेवा संकल्प और सामाजिक उत्तरदायित्व के विषयों पर सुंदर

रंगोली बनाई और आकर्षक पोस्टर तैयार किए। आयोजन के दौरान ग्राम पंचायत चूली कलां के सरपंच नरेश बेनीवाल, चूली खुर्द के सरपंच प्रतिनिधि कृष्ण बेनीवाल, एसएमसी प्रधान लीलू राम, एसएमसी सदस्य कुलदीप सिंह व अन्य गणमान्य लोग विशेष रूप से मौजूद रहे।

इन तरीकों से बनाया जा सकता है निशाना

- धार्मिक भावनाओं का सहारा : फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट के जरिए धार्मिक भावनाओं को प्रभावित करने या भावनात्मक रूप से अपने प्रभाव में लेने का प्रयास हो सकता है।
- +92 नंबर से कॉल और मैसेज: विदेशी नंबरों से केबीसी, लॉटरी, कार या भारी कैश प्रिज्ज जीतने का झंझा देकर ऐसे, निजी जानकारी या संदिग्ध लिंक पर क्लिक करवाने का प्रयास किया जा सकता है।
- 3 फर्जी प्रोफाइल से हनीट्रैप : फेसबुक, इंस्टाग्राम या टेलीग्राम पर फर्जी प्रोफाइल के जरिए दोस्ती कर

निजी फोटो, वीडियो या बातचीत हासिल करने के बाद ब्लैकमेल किया जा सकता है।
4. ऑनलाइन जॉब का लालच : वर्क फ्रॉम होम, डेटा एंट्री और टेलीग्राम टास्क के नाम पर संपर्क बनाकर फोटो, वीडियो, लोकेशन या अन्य संवेदनशील जानकारी मांगी जा सकती है।
5. लोन और बैंकिंग ऐप का जाल : संदिग्ध ऐप के जरिए आर्थिक रूप से फंशाने के बाद ब्लैकमेल या अन्य गैर-कानूनी गतिविधियों में हस्तक्षेप करने का प्रयास किया जा सकता है।

पहचान संबंधी दस्तावेज या अन्य संवेदनशील जानकारी हासिल करने का प्रयास किया जा सकता है।

सिरसा व डबवाली में 21 और 22 सितंबर को लगेंगे विशेष कैंप

सिरसा। सेवा संकल्प अभियान के तहत जिला सिरसा में ब्लॉक एवं नगर निकाय स्तर पर सेवा सेतु अभियान कैंप आयोजित किए जाएंगे। सिरसा और डबवाली में यह कैम्प नगर परिषद कार्यालय परिसर में सुबह 09 बजे से आयोजित किए जाएंगे।

- जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ देने के लिए मौके पर होगा पंजीकरण
- उ पा यु क त अर्पित संगल न बताया कि नगर परिषद सिरसा व डबवाली में

21 और 22 सितंबर को सेवा सेतु अभियान कैंप आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इन कैंपों का उद्देश्य नागरिकों को विभिन्न सरकारी सेवाओं एवं योजनाओं का लाभ सुगमता से उपलब्ध करवाना है। कैंपों के माध्यम से लोगों की समस्याओं को संबंधित विभागों के अधिकारियों द्वारा मौके पर सुना जाएगा तथा पात्र नागरिकों को सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ दिलाने की दिशा में आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। कैम्प के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों का मौके पर पंजीकरण करते हुए लाभ दिया जाएगा। इसके अलावा आमजन की समस्या का मौके पर ही समाधान का प्रयास किया जाएगा। आमजन से आह्वांन है कि वे सेवा संकल्प अभियान के दौरान नगर निकाय और ब्लॉक लेवल पर लगाए जाने वाले इन कैम्प का ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाएं।

अध्यापक संघ की बैठक, गैर शैक्षणिक कामों व जबरन टे्ट थोपने का विरोध

23 सितंबर को पानीपत में शिक्षा मंत्री के कैंप कार्यालय का करेंगे घेराव

हरिभूमि न्यूज़ ►► फतेहाबाद

हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ की फतेहाबाद जिला कार्यकारिणी की बैठक एएचपीसी वर्कर युनियन दफ्तर फतेहाबाद में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता जिला प्रधान राजपाल मिताथल ने की, जबकि संचालन सचिव देसराज माचरा द्वारा किया गया। बैठक में सर्व कर्मचारी संघ के जिला सचिव रामनिवास शर्मा विशेष रूप से मौजूद रहे। इस दौरान आगामी 23 सितंबर को पानीपत में शिक्षा मंत्री के कैंप कार्यालय पर आयोजित होने वाले राज्यस्तरीय विरोध प्रदर्शन की तैयारियों की समीक्षा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए जिला प्रधान राजपाल मिताथल ने कहा कि राज्य सरकार अध्यापकों को गैर-शैक्षणिक कार्यों में उलझाकर लगातार परेशान कर रही है। एक तरफ सरकारी स्कूलों को बंद किया जा रहा है, तो दूसरी तरफ 20-25 सालों से पढ़ा रहे अनुभवी अध्यापकों पर जबरन टे्ट परीक्षा पास करने का दबाव बनाया जा रहा



फतेहाबाद। बैठक में भाग लेते अध्यापक संघ के पदाधिकारी।

फोटो: हरिभूमि

है। सर्वोच्च न्यायालय के फैसलों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि कोर्ट का आदेश कक्षा एक से आठ तक के लिए है, लेकिन सरकार पीजीटी व लेक्चरर कैडर को भी इसमें घसीट रही है और टे्ट बिलयर न होने पर जबरन रिटायर करने की धमकियां दी जा रही हैं। उन्होंने मांग

की कि सरकार कानून बनाकर सभी अध्यापकों को इस प्रक्रिया से बाहर निकाले और पिछले 9 सालों से लटके प्राथमिक अध्यापकों के ऑनलाइन तबादले तुरंत शुरू करे। शिक्षक नेताओं ने पीएम श्री, सीएम श्री और मॉडल संस्कृतिक के नाम पर स्कूलों व अध्यापकों के बीच किए

जा रहे बंटवारे को तुरंत खत्म करने की मांग की। संघ ने सरकार द्वारा हाल ही में स्कूलों को मर्ज या बंद करने के जारी पत्र पर कड़ा रोष जताया। उन्होंने कहा कि बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ का नारा देने वाली सरकार जमीनी स्तर पर बंटियों के ही स्कूलों को बंद कर रही

संघ की प्रमुख मांगें

अध्यापक संघ ने मांग की है कि अतिथि, आरोगी मॉडल, नेवात मॉडल, कंप्यूटर, वोकेशनल, लैब सहायक व कोशल रोजगार निगम के शिक्षकों को पक्का किया जाए। सभी संघों की रुकी हुई प्ब्लेनजि सुधिया तुरंत जारी की जाए। मिड-डे मील और पोर्ट-टाइम कर्मचारियों का बजट समय पर जारी हो तथा बच्चों को समय पर पाठ्यपुस्तकें मिलें। गृह और मोरनी जैसे दुर्गम क्षेत्रों में कार्यरत अध्यापकों को दुर्गम क्षेत्र भत्ता दिया जाए।

है, जिसके खिलाफ जन-जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के जिला सचिव रामनिवास शर्मा ने कहा कि अध्यापकों की इस लड़ाई में सर्व कर्मचारी संघ पूरी ताकत से साथ खड़ा रहेगा। बैठक के दौरान कार्यालय सचिव राधेश्याम, भट्टकलॉल खंड प्रधान सतपाल ढाका, भूना खंड प्रधान दलबीर नाथ, सचिव नरेश कुमार सहित संघ के अनेक पदाधिकारी व शिक्षक प्रतिनिधि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।



सच्चा शिष्य गुरु से गुरु को ही मांगता है: साध्वी

सिरसा। दिव्य ज्योति जागृति संस्थान द्वारा हुआ है सत्संग का आयोजन किया गया। साध्वी किरण भारती ने कहा कि सच्चा शिष्य वह नहीं जो गुरु से सांसारिक सुख-सुविधाएं या भौतिक उपलब्धियां मांगता है, बल्कि सच्चा शिष्य वह है जिसकी सबसे बड़ी अभिलाषा स्वयं गुरु को पाना होती है। गुरु के प्रति ऐसी निष्ठाकम श्रद्धा और समर्पण ही शिष्य के जीवन को आध्यात्मिक ऊंचाइयों की ओर ले जाता है। इसी भाव को स्पष्ट करते हुए उन्होंने श्री रामकृष्ण परमहंस एवं उनके शिष्य नरेंद्र का प्रसंग सुनाया। उन्होंने बताया कि गुरु ने नरेंद्र की आध्यात्मिक पात्रता और उनके अंतर्मन की अभिलाषा को परखने के लिए उन्हें अपनी इच्छा व्यक्त करने का अवसर दिया। नरेंद्र के सामने सांसारिक प्राप्तियों का मार्ग खुला था, लेकिन उनके हृदय की वास्तविक चाह गुरु के माध्यम से परम सत्य की प्राप्ति थी। गुरु के प्रति उनकी यह निष्ठा ही आगे चलकर उनके आध्यात्मिक जीवन की आधारशिला बनी।

शिव जागरण में उमड़ा भारी जनसैलाब

शिव भजनों पर मंत्रमुग्ध हो झूमे श्रद्धालु

हरिभूमि न्यूज़ ►►रतिया

श्री नीलकंठ महादेव कावड़ संघ सेवा ट्रस्ट की ओर से शनिवार रात स्वामी तीसरे विशाल शिव जागरण का आयोजन श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के साथ किया गया। स्वामी भुवनेश्वरी देवी के सन्निध्य में आयोजित इस भव्य जागरण में शहर सहित आसपास के क्षेत्र से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के चलते पूरा शहर और अनाज मंडी परिसर शिवमय नजर आया।

जागरण का शुभारंभ श्री नीलकंठ महादेव कावड़ संघ के गणमान्य श्रद्धालुओं द्वारा विधिवत गणेश पूजन तथा अन्य धार्मिक पूजन के साथ किया गया। इसके बाद जैसे ही स्वामी भुवनेश्वरी देवी मंच पर पधारीं, श्रद्धालुओं में उनके प्रति श्रद्धा और उत्साह देखते ही बनता था। स्वामी जी ने अपने प्रवचनों के माध्यम से श्रद्धालुओं को



रतिया। शिव जागरण में मौजूद श्रद्धालु।

फोटो: हरिभूमि

सत्य, सदाचार और सनातन धर्म के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि मनुष्य को बुरे कर्मों से दूर रहकर सत्य कर्मों की ओर अग्रसर होना चाहिए तथा अपने प्रत्येक कार्य को परमात्मा और गुरुजनों के सन्निध्य में करने का प्रयास करना चाहिए। उनके प्रवचनों से श्रद्धालु भावविभोर हो गए। इसके पश्चात बाहर से आए प्रसिद्ध धार्मिक कलाकार गज प्रताप सिंह और फिरोज खान ने भगवान शिव के

भजनों की शानदार प्रस्तुतियां देकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। वहीं सुप्री शैली में मंच संचालन कर रहे परमिंदर कटरिया ने अपनी प्रभावशाली शैली से श्रद्धालुओं को बांधे रखा। दोनों गायकों द्वारा प्रस्तुत शिव भजनों पर श्रद्धालु भाव-विभोर होकर झूमने लगे पंडाल में आकर्षक बर्फ से निर्मित शिवलिंग, रंग-बिरंगी भव्य रोशनी, सुसज्जित शिव दरबार और शिव परिवार का मनमोहक दरबार विशेष आकर्षण का केंद्र रहा।

श्री शांति गिर महाराज की कुटिया में लगाया मंडारा

डिंगा। श्री श्री 1008 श्री शांति गिर महाराज की कुटिया पर आयोजित दो दिवसीय मंडारा रविवार को श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ सम्पन्न हुआ। मंडारे के दौरान कुटिया परिसर में दिनभर श्रद्धालुओं की आवाजही लगी रही। कार्यक्रम के तहत शनिवार को दिनभर भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया। इस दौरान गांव मोचीवाली से पहुंचे गायक राजेंद्र जाखड़ व उनके साथियों ने बाबा का गुणगान कर श्रद्धालुओं को मंत्रितरस में सराबोर किया। रविवार को शंकर मंडौरी से पहुंची शंकर गिरि महाराज कीर्तन मंडली ने भजनों के माध्यम से बाबा की महिमा का गुणगान किया। दोनों दिनों में कुटिया परिसर में श्रद्धालुओं के लिए लंबर की व्यवस्था की गई, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। भजनों और धार्मिक कार्यक्रमों के दौरान पूरा परिसर बाबा के जयकारों से गुंजाता रहा।

हरिभूमि

आवश्यक सूचना

जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-

हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 8295154800, 9315429403, 9253681005

बाबा श्रीचंद महाराज के जन्मोत्सव पर सत्संग में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

हरिभूमि न्यूज़ ►►सिरसा

डेरा बाबा भूमणशाह की ओर से बाबा श्रीचंद महाराज के जन्मोत्सव पर सिरसा की अनाज मंडी में भक्ति सत्संग का आयोजन किया गया। आद्वीत एसोसिएशन के सहयोग से आयोजित सत्संग में डेरा के

■ सामाजिक गद्दीनशीन संत कुरीतियों को दूर करने के बाबा ब्रह्मदास महाराज ने मन की चंचलता पर विचार कर प्रकट करते हुए

कहा कि हमें मन के अधीन नहीं होना, बल्कि मन को हमारे अधीन करना है। मन को अपने वश में करके हमें सत्संग सेवा, गुरुधर सेवा, राष्ट्र सेवा, माता-पिता की सेवा में लगाना है, ताकि हमारा जीवन सफल हो सके और हमारे



सिरसा। सत्संग करते बाबा ब्रह्मदास महाराज व श्रद्धालु।

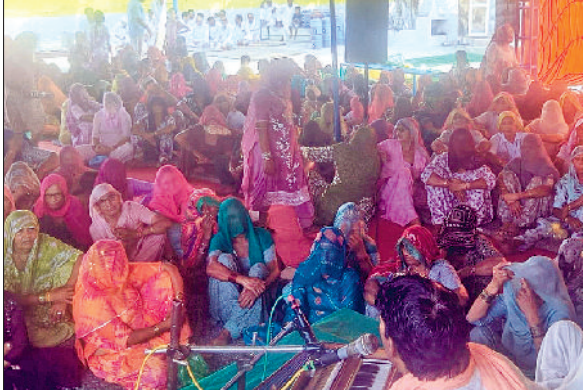
फोटो: हरिभूमि

समाज व राष्ट्र का कल्याण हो सके। बाबा ब्रह्मदास महाराज ने बाबा श्रीचंद महाराज के जन्मोत्सव पर श्रद्धालुओं को बधाई दी और उनके जीवन पर भी विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने के लिए हम सभी को मिल जुल कर प्रयास

करने होंगे, ताकि युवा वर्ग को नशे के जाल से बचाया जा सके। इसके अलावा दहेज प्रथा से हमेशा दूर रहना है, क्योंकि माता-पिता जब अपने कलेजे के टुकड़े को दे देते हैं तो इससे बड़ा कोई दहेज नहीं है। बाबा ब्रह्मदास महाराज ने कहा कि दहेज न लेने का हमें संकल्प लेना

चाहिए और हर अभिभावक को अपने बच्चों को समय देकर संस्कारित करना चाहिए, ताकि वो सही मार्ग पर चलकर अपना जीवन को सफल बनाने के साथ-साथ अपने लक्ष्य की प्राप्ति कर सकें। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के प्रति श्रद्धालुओं को जागरूक करते हुए

कहा कि बढ़ते ग्लोबल वार्मिंग के खतरे को देखते हुए सभी को अधिक से अधिक पौधारोपण करना चाहिए और पौधों के बड़ा होने तक उनकी अपने बच्चों की तरह देखभाल करनी चाहिए। ताकि हमारी आने वाली पीढ़ी को स्वच्छ वातावरण मिल सके।



सिरसा। बाबा रामदेव मंदिर में भजन कीर्तन करते श्रद्धालु।

फोटो: हरिभूमि

बाबा रामदेव मंदिर में उमड़े श्रद्धालु

चोपटा। क्षेत्र के गांव नाथूसरी कलां स्थित बाबा रामदेव मंदिर में रविवार को श्रद्धालुओं ने पूजा अर्चना की और मन्मत पूरी होने पर प्रसाद चढ़ाया। मंदिर परिसर में भजन मंडली ने बाबा रामदेव का भजनों के माध्यम से गुणगान किया। मंदिर परिसर बड़ी संख्या में गांव की महिलाएं व पुरुष बाबा के भजनों पर झूम उठे। बाबा रामदेव मंदिर के मुख्य पुजारी भानी राम बताया कि बाबा रामदेव मंदिर में भक्त पूजा अर्चना करने के लिए आते हैं। इसी कड़ी में आए श्रद्धालुओं ने बाबा रामदेव की प्रतिमा के समक्ष धोक लगाई और मन्मत मांगी। उन्होंने बताया कि मंदिर में बाबा राम की मूर्ति स्थापित है, जिसको श्रद्धालु पूरी श्रद्धा भाव से नमन करते हैं। भक्तों द्वारा नारियल, मिठाई का प्रसाद चढ़ाए जाते हैं। इस अवसर पर समाजसेवी रघुबीर सिंह कड़वासरा ने बाबा राम मंदिर में निर्माण कार्य के लिए सहयोग करने की घोषणा की। इस अवसर पर समाजसेवी रघुबीर कड़वासरा, डा. भूप सिंह, नेकी राम, प्रेम ठाकर, व गांव के अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

मंत्री रणबीर गंगवा ने खेली पहली गेंद, बोले-खेलों को जीवन का हिस्सा

फतेहाबाद में नमो क्रिकेट लीग का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज़ ►►फतेहाबाद

फतेहाबाद के एमएम कॉलेज ग्राउंड में चल रही नमो क्रिकेट लीग के दूसरे दिन भी रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। रविवार को कैबिनेट मंत्री रणबीर सिंह गंगवा ने मुख्य अतिथि के तौर पर मैचों का शुभारंभ किया। मैदान में पहुंचकर मंत्री ने टॉस करवाया और खुद बल्लेबाजी करते हुए पहली गेंद खेली। एक पुलिसकर्मी ने यह कैच पकड़ा। इस मौके पर नशा मुक्ति सेन के संस्थापक और लीग के जोन प्रभारी ठाकुर भवानी सिंह ने कैबिनेट मंत्री रणबीर सिंह गंगवा का स्वागत किया। एमएम कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. गुरचरण दास



फतेहाबाद। खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते कैबिनेट मंत्री रणबीर सिंह गंगवा।

- कैबिनेट मंत्री ने टॉस करवाया और खुद बल्लेबाजी करते हुए पहली गेंद खेली

और कॉलेज मैनेजमेंट कमेटी के सदस्य भी इस कार्यक्रम में मौजूद रहे। खिलाड़ियों और युवाओं को संबोधित करते हुए मंत्री रणबीर

सिंह गंगवा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर सेवा संकल्प अभियान चल रहा है। इसके तहत देशभर में कई जनकल्याणकारी

और खेल गतिविधियां हो रही हैं। इसी कड़ी में नमो क्रिकेट लीग पूरे भारत में आयोजित की जा रही है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे खेलों को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं। साथ ही नशे जैसी सामाजिक बुराई से पूरी तरह दूर रहें। आयोजकों ने बताया कि लीग के दूसरे दिन कुल 26 टीमों के बीच 13 मुकाबले खेले जाएंगे। दर्शकों का उत्साह बढ़ाने के लिए सभी मैच 6-6 ओवर के रखे गए हैं। सुबह से ही कॉलेज ग्राउंड में खिलाड़ी और क्रिकेट प्रेमी बड़ी संख्या में मौजूद हैं। पहला मुकाबला मोहम्मदपुर रोही और फतेहाबाद की टीम के बीच हुआ। मोहम्मदपुर रोही की टीम ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी।

टोहाना क्षेत्र में नशे के खिलाफ पुलिस का एक्शन

हरिभूमि न्यूज़ ►►फतेहाबाद

- हेरोइन की खेप के साथ चार युवक किए गिरफ्तार

सीआईए टोहाना, चंडीगढ़ रोड पुलिस चौकी और थाना सदर टोहाना पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए चार हेरोइन तस्करो को रंगे हाथ धर दबोचा। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कुल 23.92 ग्राम हेरोइन तथा तस्करी में प्रयुक्त एक सिल्वर रंग की आई-20 कार बरामद की है। सभी आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामले दर्ज किए गए हैं। सीआईए टोहाना के प्रभारी उपनिरीक्षक अजय ने बताया कि पुलिस टीम टोहाना-रतिया रोड पर गश्त के दौरान मौजूद थी। इसी बीच सूचना मिली कि राजनगर निवासी लोफन पुत्र मुकेश नया बाईपास स्थित नई अनाज मंडी टी-प्वाइंट के पास ग्राहकों के इंतजार में खड़ा है। पुलिस टीम ने बिना समय गंवाए मौके पर दबिश देकर आरोपी को काबू कर लिया। नियमानुसार तलाशी लेने पर उसकी जॉस की जेब से 5.92 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। दूसरे मामले में चंडीगढ़ रोड पुलिस चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक ओमप्रकाश के अनुसार, पुलिस टीम

जब चंडीगढ़ रोड से भूत मार्केट की तरफ जा रही थी, तब पंजाब मेडिकल सेंटर के पास एक युवक पुलिस को देखकर गाड़ियों की आड़ में छिपने लगा। पुलिस ने शक के आधार पर शिवा गली निवासी अंकित को काबू कर तलाशी ली, तो उसके पास से 6.58 ग्राम हेरोइन मिली। जांच के दौरान इसमें सलिपतता पाए जाने पर उसके साथी डीसीएम गली, शास्त्री नगर निवासी राजेश कुमार को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। तीसरे मामले में सदर थाना प्रभारी निरीक्षक साधु राम ने बताया कि पुलिस टीम कुलां चौक पर तैनात थी, तभी सूचना मिली कि गांव आकांवाली निवासी कमलकीर्त सिंह आई-20 कार में हेरोइन लेकर अपनी ढाणी की ओर जा रहा है। पुलिस ने तुरंत शिवा प्रोटीन फैक्ट्री के पास नकाबंदी कर दी। कार को आता देख जब चालक ने उसे वापस मोड़ने की कोशिश की, तो पुलिस ने घेराबंदी कर उसे रोक लिया। तलाशी के दौरान कमलकीर्त सिंह के लोअर से 11.42 ग्राम हेरोइन बरामद की गई।

पुरानी अनाज मंडी में वार्षिक जागरण 22 को

ओढ़ा। श्री सालासर यात्रा संघ ओढ़ा द्वारा अपने स्थापना दिवस पर 22 सितंबर को पुरानी अनाज मंडी में बालाजी का विशाल जागरण आयोजित किया जाएगा। जागरण में बालाजी का भव्य दरबार सजाया जाएगा और इस जागरण में क्षेत्र के प्रसिद्ध भजन गायक बालाजी का गुणगान करेंगे। श्री सालासर यात्रा के प्रवक्ता सुरेंद्र बंसल ने बताया कि व्यासह वर्ष पूर्व श्री सालासर धाम में आयोजित एक मीटिंग में संघ का गठन किया गया था।